दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, गुरुवार 20 मई 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 229

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू कश्मीर में पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ा गया

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने आज अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार कर लिया। पाकिस्तानी नागरिक को घायल हालत में उस समय पकड़ा गया जब वह भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। घुसपैठिए को पहले चेतावनी दी गई, जिसके बाद सैनिकों ने गोलियां चलाई, जिससे घुसपैठिया घायल हो गया। सूत्रों ने कहा, बीएसएफ की डिस्पेंसरी में उसका इलाज किया गया और बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया गया। 5 मई को उसी सेक्टर में घुसपैठ की एक और कोशिश को नाकाम कर दिया गया, जब बीएसएफ के सतर्क जवानों ने एक घुसपैठिए को मार गिराया था।

अगले 12 घंटों के दौरान चक्रवाती तूफान तौकते उत्तर-पूर्वी दिशा में मुड़ जायेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग के राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र ने सूचना दी है कि अत्यधिक तीव्र तूफान तौकते कमजोर पड़ जायेगा तथा दक्षिण राजस्थान और पड़ोसी गुजरात के इलाकों पर विक्षोभ में बदल जायेगा। यह सूचना भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 19 मई, 2021 को 0745 बजे जारी की है। अत्यंत तीव्र चक्रवाती तूफान तौकते का बचा-खुचा असर गहरे विक्षोभ के रूप में गुजरात के ऊपर कायम रहा और उत्तर-पूर्वी दिशा में सात किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से बढ़कर कमजोर पड़कर विक्षोभ में बदल गया। वह आज 19 मई, 2021 को 0530 बजे दक्षिण राजस्थान और पड़ोसी गुजरात के इलाकों के ऊपर अक्षांश 24.3श उत्तर तथा देशांतर 73.3श पूर्व में स्थित रहा। यह उदयपुर (राजस्थान) से पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा में 60 किलोमीटर तथा डीसा (गुजरात) के पूर्व-उत्तरपूर्व दिशा में 110 किलोमीटर पर मौजूद रहा। अंदेशा है कि यह उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ेगा और अगले 12 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर पड़कर कम दबाव के क्षेत्र में बदल जायेगा। अगले दो दिनों के दौरान तूफान का बचा-खुचा असर पूरे राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में देखा जा सकता है।

अब कोरोना से रिकवरी के 3 महीने बाद लगेगी वैक्सीन

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना संक्रमित लोगों को अब रिकवरी के 3 महीने बाद टीका लगाया जाएगा, जबकि अब तक 6 महीने बाद वैक्सीन लगवाने की सिफारिश की जाती थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 टीकाककरण अभियान को लेकर बनाए गए नैशनल एक्सपर्ट ग्रुप की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। नए नियमों के मुताबिक, अगर कोई कोरोना टीके की पहली खुराक लेने के बाद संक्रमित हो जाता है तो वह रिकवर होने के 3 महीने बाद दूसरी खुराक ले सकता है। एक्सपर्ट समूह ने स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी कोविड-19 टीकाकरण कराए जाने की सिफारिश की है। साथ ही टीकाकरण से पहले वैक्सीन लेने वालों की रैपिड ऐंटीजन टेस्ट किए जाने को भी मना किया गया है।

सीबीआई ने इफको के पूर्व प्रबंध निदेशक समेत 8 पर दर्ज किया मुकदमा

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इफको के पूर्व प्रबंध निदेशक व सीईओ और इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) के तत्कालीन प्रबंध निदेशक एवं उनके बेटों समेत आठ लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। महंगी कीमतों पर कई विदेशी सप्लायरों से कच्चा माल व उर्वरक की आयात कराने के आरोप में कार्रवाई की गई है। सीबीआई ने दिल्ली, गुरुग्राम और मुंबई समेत 12 जगहों पर आरोपियों के कार्यालय और आवासीय परिसर पर छापे मारे हैं। छापामारी अभी जारी है।

कोरोना से रिकार्ड मौतों ने बढ़ाया खौफ, 24 घंटे में 4,529 लोगों ने गंवाई जान, 2.67 लाख नए कोरोना मरीज

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना की दूसरी लहर के कोहराम में अब दैनिक मामलों में तो गिरावट आ रही है, लेकिन पिछले एक सप्ताह से हरेक दिन चार हजार से ज्यादा हो रही कोरोना मौतों से देश में खौफ का माहौल बना हुआ है। पिछले एक दिन में अब तक हुई दैनिक मातों को पीछे छोड़कर 4,529 लोगों की मौत का नया रिकार्ड सामने आया है, जबकि पिछले पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमितों के 2.67 लाख नए मामले आए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटे में 2,67,334 नए कोरोना मरीज सामने आए हैं, लेकिन इस दौरान रिकार्ड 4,529 मरीजों की हुई मौत एक बड़ी चिंता सामने आती नजर आ रही है। एक दिन में कोरोना की वजह से जान

गंवाने वालों का यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। मंत्रालय के अनुसार देश में बुधवार को लगातार तीसरे दिन तीन लाख से कम कोरोना के नए मरीज मिले हैं। अब तक देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2,54,96,330 पहुंच गई है। जबकि मौतों का आंकड़ा 2,83,248 पहुंच गया है। इस प्रकार देश में कोविड-19 से मृत्यु दर 1.11 प्रतिशत हो गई है।

❐ **तेजी से कम हो रहे हैं सक्रिय मामले-** स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में एक बार फिर सक्रिय मामलों का ग्राफ नीचे आ रहा है और संक्रमण दर घटकर 13.31 प्रतिशत पहुंच गई है। राहत की बात ये है कि पिछले 24 घंटे में 3,89,851 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए हैं। इसके साथ ही देश में अब तक 2,19,86,363 मरीज कोरोना वायरस को मात देने में कामयाब हुए हैं, देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 86.23 प्रतिशत है। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों संख्या अधिक है, जिससे सक्रिय मामलों में गिरावट आई है। फिलहाल देश में 32,26,719 सक्रिय मामले हैं, जो कुल मामलों का 12.66 प्रतिशत है।

❐ **दस राज्यों में आए 74.46 प्रतिशत मामले-** बीते 24 घंटों के दौरान सामने आए कुल 2,67,334 नए मामलों में से 74.46 प्रतिशत 10 राज्यों से आए जिनमें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा शामिल हैं। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 33059 नए मरीज मिले जिसके बाद केरल में 31337 नए मामले सामने आए। दूसरी तरफ देश में कोविड-19 के उपचाराधीन रोगियों की संख्या घटकर 3226719 हो गई है। एक दिन में इसमें 127046 की कमी दर्ज की गई। यह अब देश में संक्रमण के कुल मामलों का 12.66 प्रतिशत है। भारत में कुल उपचाराधीन मामलों में से 69.02 प्रतिशत आठ राज्यों कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से हैं।

❐ **ऐसे बढ़ रहा है कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा-** देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।वहीं संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख के पार गए। वहीं 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार और चार मई को दो करोड़ के पार चले गए।

❐ **एक दिन में रिकॉर्ड 20 लाख की कोरोना जांच-** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश भर में बीते 24 घंटों के दौरान 20 लाख से ज्यादा कोविड-19 जांच की गई, जो एक वैश्विक रिकॉर्ड है तथा भारत में एक दिन में की गई जांच की सर्वाधिक संख्या है। मंत्रालय के मुताबिक देश में बीते 24 घंटों के दौरान कुल 20.08 लाख जांच देश में की गई, जो एक वैश्विक रिकॉर्ड भी है। मंत्रालय के अनुसार भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, देश में अभी तक कुल 32,03,01,177 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है।

टूलकिट विवाद : बाबा रामदेव का कांग्रेस पर हमला

» हिंदुत्व को बदनाम करने की साजिश कर रही है कांग्रेस

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में मोदी सरकार को बदनाम करने के प्रयास वाले टूलकिट विवाद पर सियासी वाकयुद्ध छिड़ा हुआ है। इसी बीच योग गुरु बाबा रामदेव ने कांग्रेस पर हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। बाबा रामदेव ने कहा कि टूलकिट के जरिए कुंभ मेल और हिंदुत्व को बदनाम करना एक राजनीतिक और सांस्कृतिक साजिश है। इससे पह ले मंगलवार को भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि राहुल गांधी टूलकिट की मदद से ट्वीट करते हैं। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया था कि इस महामारी के समय में भी कांग्रेस टूलकिट के जरिए देश और पीएम की छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रही है। पात्रा ने अपने ट्वीट में एक टूलकिट भी शेयर किया था। वहीं कांग्रेस ने बीजेपी पर पलटवार करते हुए इसे फर्जी बताया था। कांग्रेस ने पूरे मामले में पलटवार करते हुए कहा है कि वह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संबित पात्रा के खिलाफ जालसाजी का केस करेगी। भले ही बाबा रामदेव ने टूलकिट के जरिए कुंभ और हिंदुत्व को बदनाम करने की बात करते हुए कांग्रेस का जिक्र नहीं किया है, लेकिन उनका इशारा सीधे तौर पर उसकी ओर ही है। गौरतलब है कि कांग्रेस के रिसर्च डिपार्टमेंट के प्रमुख और राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव गौड़ा ने भाजपा नेताओं द्वारा शेयर किए जा रहे टूलकिट को फर्जी बताया और यह भी कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रवक्ता संबित पात्रा के खिलाफ जालसाजी की एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

पंद्रह जून तक राज्यों को मिलेगी 5.86 करोड़ वैक्सीन की निशुल्क खुराक

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना वैक्सीन की कमी को लेकर उठ रहे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि एक जून से 15 जून तक देश में राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को कोविड रोधी टीके की 5.86 करोड़ खुराक निःशुल्क मुहैया कराई जाएंगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इसके अतिरिक्त, टीका विनिर्माताओं से प्राप्त अनुमान के अनुसार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए टीकों की सीधी खरीद के वास्ते जून के अंत तक कुल 4.87 करोड़ खुराक उपलब्ध होंगी। जून तक आपूर्ति की स्पष्ट समयसीमा के साथ उक्त अनुमान

के मद्देनजर एवं टीकाकरण अभियान की सफलता के लिए उपलब्ध खुराकों का पर्याप्त एवं त्वरित उपयोग सुनिश्चित करने के वास्ते राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सुझाव दिया गया है कि वे टीकाकरण के लिए जिलावार और कोविड टीकाकरण केंद्रों के हिसाब से योजना तैयार करें। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह भी सलाह दी गई है कि राज्य और केंद्रशासित प्रदेश इस तरह की योजना के बारे में जनता में जागरूकता लाने एवं टीकाकरण केंद्रों पर भीड़ न लगने देने तथा कोविन पर टीकाकरण के लिए आसानी से तारीख एवं समय प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने जैसी चीजें सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मीडिया मंचों का इस्तेमाल करें।

राज्य सरकारों और निजी टीकाकरण केंद्रों-दोनों को सलाह दी गई है कि वे कोविन डिजिटल मंच पर अग्रिम रूप से अपने टीकाकरण कार्यक्रम की जानकारी प्रकाशित करें और सिर्फ एक ही दिन का टीकाकरण कार्यक्रम प्रकाशित न करें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे संबंधित अधिकारियों को 15 जून तक के कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम की पहले से ही योजना तैयार कर लेने का निर्देश दें।इसने कहा कि टीकाकरण देश में सर्वाधिक संवेदनशील आबादी समूहों को कोविड-19 से बचाने का माध्यम है और उच्चतम स्तर पर इसकी लगातार समीक्षा एवं निगरानी की जाती रहनी चाहिए। बयान में कहा गया कि पहले से उपलब्ध कराया गया अनुमान अधिक बेहतर एवं अधिक प्रभावी योजना बनाने में राज्यों की मदद करेगा।

दैनिक रिकवरी लगातार छठे दिन दैनिक नए मामलों से अधिक

» लगातार तीसरे दिन दैनिक नए मामलों की संख्या 3 लाख से कम

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की दैनिक रिकवरी की संख्या लगातार छठे दिन दैनिक नए मामलों से अधिक रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान 3,89,851 रिकवरी दर्ज की गई है।

भारत की कुल रिकवरी की संख्या आज 2,19,86,363 तक पहुंच गई है। राष्ट्रीय रिकवरी दर और अधिक बढ़कर 86.23 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

नई रिकवरी के 74.94 प्रतिशत में दस राज्यों की भागीदारी है।

सकारात्मक रुझान जारी रखते हुए, भारत ने लगातार तीसरे दिन दैनिक नए मामलों की संख्या 3 लाख से कम दर्ज कराई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान 2,67,334 दैनिक नए मामले दर्ज कराये गए।

पिछले 24 घंटों के दौरान, दस राज्यों ने नए मामलों के 74.46 प्रतिशत मामले दर्ज कराये। तमिलनाडु ने 33,059 के साथ सर्वोच्च नए दैनिक मामले दर्ज कराये जबकि 31,337 नए मामलों के साथ केरल दूसरे स्थान पर रहा।

दूसरे मोर्चे पर, भारत के कुल सक्रिय मामले गिरकर आज 32,26,719 पर आ गए।

पिछले 24 घंटों के दौरान, 1,27,046 मामलों की शुद्ध गिरावट देखी गई।

अब यह देश के कुल सक्रिय मामलों का 12.66 प्रतिशत है।

देश के कुल सक्रिय मामलों के 69.02 प्रतिशत में 8 राज्यों की भागीदारी है।

पिछले 24 घंटों के दौरान 20 लाख से अधिक जांचें की गई (भारत में एक दिन में की गई अब तक की सर्वाधिक जांच), जबकि दैनिक पोजिटिविटी दर गिरकर 13.31 प्रतिशत पर आ गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 20.08 लाख जांचें की गई जो एक विश्व रिकॉर्ड भी है।

अभी तक देश में 32 करोड़ से अधिक जांचें की जा चुकी हैं। नीचे का ग्राफ भारत में किए गए जांचों की बढ़ती ट्रैजेक्टरी प्रदर्शित करता है। कुल पोजिटिविटी दर अब 7.96 प्रतिशत रह गई है।

राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण के तहत देश में लगाए गए कोविड-19 टीकों की कुल संख्या आज 18.58 करोड़ तक पहुंच गई है।

आज सुबह 7 बजे की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार, 27,10,934 सत्रों के जरिये कुल मिला कर 18,58,09,302 टीके लगाये जा चुके हैं। इनमें 96,73,684 एचसीडब्ल्यू शामिल हैं जिन्होंने पहली खुराक ली है जबकि 66,59,125 एचसीडब्ल्यू ने दूसरी खुराक प्राप्त की है, 1,45,69,669 एफएल्डब्ल्यू (पहली खुराक) 82,36,515 एफएल्डब्ल्यू (दूसरी खुराक) 18-44 आयु समूह 64,77,443 लाभार्थियों ने पहली खुराक, 45 से 60 वर्ष की आयु के बीच के 5,80,46,339 लाभार्थियों ने पहली खुराक तथा 93,51,036 लाभार्थियों ने दूसरी खुराक प्राप्त की है। 60 वर्ष से अधिक आयु के 5,48,16,767 लाभार्थियों ने पहली खुराक तथा 1,79,78,724 लाभार्थियों ने दूसरी खुराक प्राप्त की है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

» सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल में मतदान के बाद हो रही हिंसा को देखते हुए संविधान के अनुच्छेद-356 के तहत वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की गुहार लगाई गई है। याचिका में कहा गया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था लगभग खत्म हो गई है।

वकील घनश्याम उपाध्याय द्वारा दायर इस याचिका में साथ ही मतदान के बाद 16 भाजपा कार्यकर्ताओं की हुई हत्या की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की गुहार भी लगाई गई है। याचिका में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीश धनखड़ से राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर रिपोर्ट तलब करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि पश्चिम बंगाल में कानून का शासन नहीं है और वहां संवैधानिक तंत्र पूरी तरह से विफल है। 16 भाजपा के कार्यकर्ताओं की हत्या तृणमूल कांग्रेस के गुंडों के द्वारा की गई है। इसके अलावा याचिका में आरोप लगाया गया है ये घटनाएं सत्ता में बैठे लोगों की के इशारे पर हो रही हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि राज सरकार का यह दायित्व है कि वह लोगों की जान और संपत्ति को नुकसान होने से बचाएं। यह भी आरोप लगाया गया है कि राज्य में खासतौर पर भाजपा समर्थको को निशाना बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत शुरू किए गए नए एम्स राज्यों में उन्नत कोविड स्वास्थ्य सेवा कर रहे है प्रदान

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) की घोषणा अगस्त 2003 में तृतीयक स्वास्थ्य सेवा अस्पतालों की उपलब्धता से जुड़े असंतुलन को दूर करने और देश में चिकित्सा शिक्षा में सुधार के लिए की गयी थी। यहएक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

इस योजना को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वंचित राज्यों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के सपने को पूरा करने के लिए एक नया प्रोत्साहन मिला, और प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत कई नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) स्थापित किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत अब तक 22 नए एम्स की स्थापना को

मंजूरी दी गयी है, जिनमें से भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश में छह एम्स पहले से ही पूरी तरह से काम कर रहे हैं। अन्य सात एम्स में ओपीडी की सुविधा और एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू हो गई हैं जबकि पांच अन्य संस्थानों में केवल एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू हुई हैं।

पीएमएसएसवाई योजना के तहत स्थापित किए गए या स्थापित किए जा रहे इन क्षेत्रीय एम्स ने पिछले साल की शुरुआत में महामारी की शुरुआत से ही कोविड के प्रबंधन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उनका योगदान इस लिहाज से महत्वपूर्ण हो जाता है कि वे उन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं जहां स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा कमजोर था।

इन संस्थानों ने अपनी जिम्मेदारी पर खरा उतरते हुए मध्यम और गंभीर रूप से बीमार कोविडमरीजों के इलाज के लिए बिस्तर क्षमता का विस्तार करके कोविड-19 की दूसरी लहर की चुनौती का भी सराहनीय जवाब दिया है। अप्रैल 2021 के दूसरे सप्ताह से, इन संस्थानों में 1,300 से अधिक ऑक्सीजन बेड और कोविड के इलाज के लिए समर्पित लगभग 530आईसीयूबेड जोड़े गए हैं और लोगों के लिए उपलब्ध ऑक्सीजन और आईसीयूबेड की वर्तमान उपलब्धता क्रमशः लगभग 1,900 और 900 है। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, अप्रैल-मई, 2021 के दौरान रायबरेली और गोरखपुर के एम्स में कोविड के इलाज की सुविधाएं शुरू कर दी गयीं, जिससे उत्तर प्रदेश राज्य को फतेहपुर, बाराबंकी, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अम्बेडकर नगर, बस्ती, संत कबीर नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, बलिया, मऊ और आजमगढ़ जैसे दूरदराज के जिलों के मरीजों की सक्रिय रूप से सेवा करने में मदद मिली है।

कोविड मरीजों की देखभाल के लिए इन नए एम्स की क्षमताओं को भारत सरकार वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर जैसे अतिरिक्त उपकरणों के अलावाअन्य उपभोग्य सामग्रियों जैसे एन-95 मास्क, पीपीई किट और फेविपिरावि, रेमडेसिविर एवंटोसिलिजुमाब सहित आवश्यक दवाओं के आवंटन के माध्यम से मजबूत कर रही है।

तृतीयक स्वास्थ्य सेवा केंद्र होने के नाते, नए क्षेत्रीय एम्स ने कोविड मरीजों को अन्य महत्वपूर्ण गैर-कोविडस्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान कीं, जैसे कि डायलिसिस की आवश्यकता वाले या गंभीर हृदय रोग वाले मरीज, गर्भवती महिलाएं, बाल रोग मरीज।

अकेले एम्स रायपुर ने मार्च 2021 से 17 मई, 2021 तक कुल 9664 कोविड मरीजोंका इलाज किया है। संस्थान ने कोविड-19 से पीड़ित 362 महिलाओं की देखभाल की, उनमें से 223 की सुरक्षित प्रसव कराने में मदद की है। कोविड से पीड़ित 402बच्चों को बाल चिकित्सा देखभाल प्रदान की गयी। गंभीर हृदय रोगों वाले 898 कोविड मरीजों ने इलाज का लाभ उठाया, जबकि 272 रोगियों को उनके डायलिसिस सत्र में सहायता प्रदान की गयी।